भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2702
बुधवार, 07 अगस्त, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

नया डॉप्लर मौसम राडार नेटवर्क

†2702. श्री अजय कुमार मंडल:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि नया डॉप्लर मौसम राडार नेटवर्क का मौसम पूर्वानुमान प्रणाली की तुलना में अधिक लाभ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) देश भर में राज्य-वार कितने नए डॉप्लर मौसम राडार (डीडब्ल्यूआर) लगाए गए हैं;
(ग) कितने राज्य मौसम की स्थिति के पूर्वानुमान के लिए पड़ोसी राज्यों में लगाए गए डीडब्ल्यूआर पर निर्भर हैं;
(घ) क्या सरकार ने सटीक पूर्वानुमान के लिए अनुशंसित दूरी संबंधी कारक के अनुसार बिहार सहित प्रत्येक राज्य में डीडब्ल्यूआर लगाने के उपाय शुरू किए हैं; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां। देश में विभिन्न स्थानों पर संस्थापित डॉपलर मौसम रेडार (DWRs) का प्रयोग मौसम की सतत निगरानी करने, तथा तत्संबंधी डॉपलर मौसम रेडार (DWRs) द्वारा कवर किए गए क्षेत्रों हेतु मौसम का पूर्वानुमान करने के लिए किया जाता है। विभिन्न मौसमी घटनाओं से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए इन डॉपलर मौसम रेडार (DWRs) की सहायता से उपयुक्त चेतावनी एवं अलर्ट जारी किए जाते हैं।

(ख) वर्तमान में, देश में विभिन्न स्थानों पर 39 डॉपलर मौसम रेडार (DWRs) संस्थापित किए हुए हैं। डॉपलर मौसम रेडार (DWRs) नेटवर्क का विवरण अनुलग्नक-1 में दिया गया है:

(ग) आठ राज्य ऐसे हैं जो कि पड़ोसी राज्यों में संस्थापित डॉपलर मौसम रेडार (DWRs) पर निर्भर हैं, यथा छत्तीसगढ़, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, मणिपुर, मिजोरम नगालैंड, तथा सिक्किम।

(घ) जी हां। भारत मौसम विज्ञान विभाग बिहार राज्य समेत देश भर में मौसम अनुसंधान एवं पूर्वानुमान इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से डॉपलर मौसम रेडार(DWRs) अधिग्रहित एवं संस्थापित करने पर कार्यरत है।

(ङ) इन डॉपलर मौसम रेडार (DWRs) का स्थान इस तरीके से वितरित किया गया है कि भारतीय क्षेत्र में विभिन्न राज्यों में मौसम की स्थिति की यथासंभव सबसे अच्छे तरीके से निगरानी की जा सके।

अनुलग्नक -1

भारतीय क्षेत्र में डॉपलर मौसम रेडार (DWRs) का नेटवर्क:

क्र.सं.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	डॉपलर मौसम रेडार (DWRs) की अवस्थिति
1.	आंध्र प्रदेश (3)	मछलीपट्टनम (एस-बैंड) श्रीहरिकोटा, इसरो (एस-बैंड) विशाखापट्टनम (एस-बैंड)
2.	अरुणाचल प्रदेश	-
3.	असम (1)	मोहनबाड़ी (एस-बैंड)
4.	बिहार (1)	पटना (एस-बैंड)
5.	छत्तीसगढ़	-
6.	गोवा (1)	गोवा (एस-बैंड)
7.	गुजरात (1)	भुज (एस-बैंड)
8.	हरियाणा	-
9.	हिमाचल प्रदेश (3)	जोत (एक्स-बैण्ड) मुरारी देवी (एक्स-बैण्ड) कुफरी (एक्स-बैण्ड)
10.	झारखंड	-
11.	कर्नाटक	-
12.	केरल (2)	कोच्चि (एस-बैंड) वीएसएसी (इसरो) तिरुवनंतपुरम (सी-बैण्ड)
13.	मध्य प्रदेश (1)	भोपाल (एस-बैंड)
14.	महाराष्ट्र (4)	मुंबई (एस-बैंड) नागपुर (एस-बैंड) आईआईटीएम सोलापुर (सी-बैण्ड) वेरावली (सी-बैण्ड)
15.	मणिपुर	-
16.	मेघालय (1)	चेरापूंजी, इसरो (एस-बैंड)
17.	मिजोरम	-
18.	नगालैंड	-
19.	ओडिशा (2)	गोपालपुर (एस-बैंड) पारादीप (एस-बैंड)
20.	पंजाब (1)	पटियाला (एस-बैंड)
21.	राजस्थान (1)	जयपुर (सी-बैण्ड)
22.	सिक्किम	-
23.	तमिलनाडु (3)	चेन्नई (एस-बैंड) करईकल (एस-बैंड) एनआईओटी, चेन्नई (एक्स-बैण्ड)

24.	तेलंगाना (1)	हैदराबाद (एस-बैंड)
25.	त्रिपुरा (1)	अगरतला (एस-बैंड)
26.	उत्तराखंड (3)	लैंसडाउन (एक्स-बैण्ड) मुक्तेश्वर (एक्स-बैण्ड) सुरकंडा देवी (एक्स-बैण्ड)
27.	उत्तर प्रदेश (1)	लखनऊ (एस-बैंड)
28.	पश्चिम बंगाल (1)	कोलकाता (एस-बैंड)
29.	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	-
30.	दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव	-
31.	जम्मू एवं कश्मीर (3)	बनिहाल टॉप (एक्स-बैण्ड) जम्मू (एक्स-बैण्ड) श्रीनगर (एक्स-बैण्ड)
32.	लक्षद्वीप	-
33.	चंडीगढ़	-
34.	दिल्ली (3)	आयानगर (एक्स-बैण्ड) पालम (एस-बैंड) मौसम भवन मुख्यालय (सी-बैण्ड)
35.	लद्दाख (1)	लेह (एक्स-बैण्ड)
36.	पुदुच्चेरी	-

****